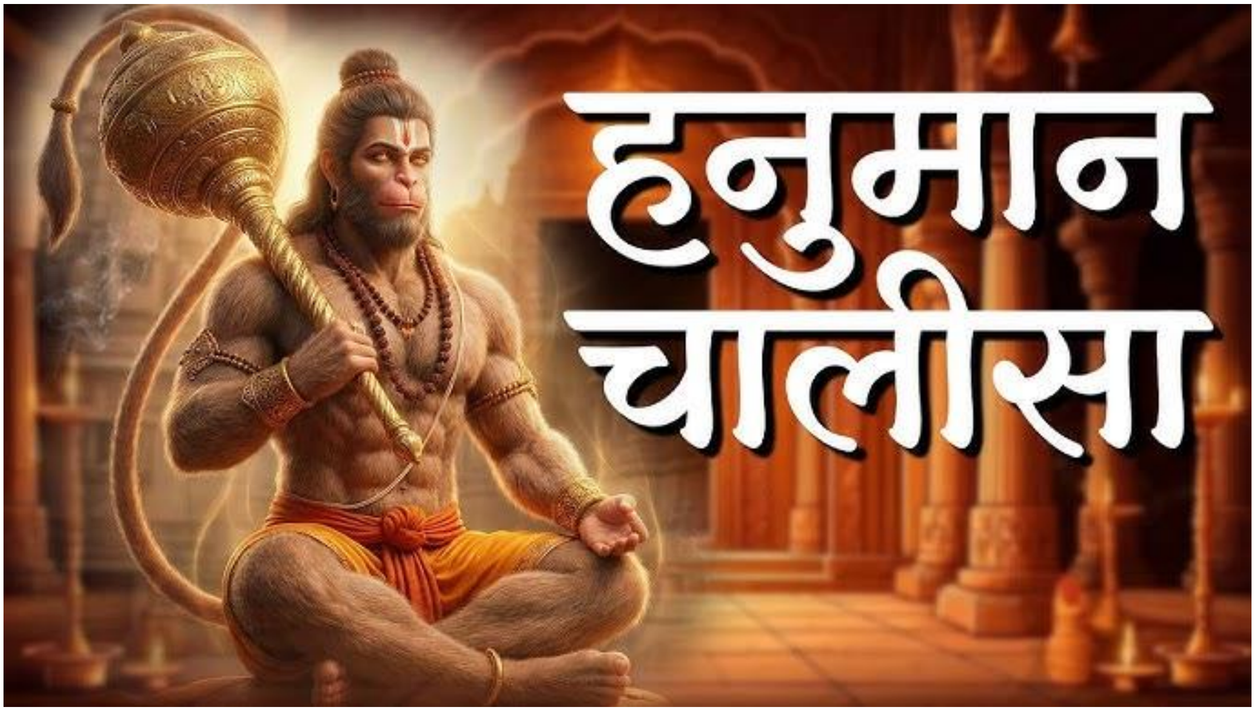

शुद्ध गोस्वामी तुलसीदास हनुमान चालीसा

गोस्वामी तुलसीदास द्वारा हस्तलिखित मूल हनुमान चालीसा : तुलसी पीठाधीश्वर **जगदगुरु रामभद्राचार्य** ने एक बार फिर से "**रामचरितमानस**" को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाने की मांग की और इसकी के साथ ही उन्होंने बताया कि आज के समय में '**हनुमान चालीसा**' का **गलत तरीके से हो रहा पाठ**', जगदगुरु रामभद्राचार्य ने गिनाईं गलतियां, उन्होंने कहा कि कुछ चौपाइयों में गलतियां हैं।

बजरंग बली के भक्त हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए चालीसा का पाठ करते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भक्तों के सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है, लेकिन तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने हाल ही में दावा किया है कि हनुमान चालीसा की कई चौपाईयों में अशुद्धियां है, जिनको ठीक किया जाना चाहिए। हनुमान चालीसा की चौपाइयों में गलती है।

लेकिन आप टेंशन ना ले, हमने आपके लिए जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के द्वारा हनुमान चालीसा लिरिक्स शुद्ध उच्चारण निचे दी है । आप पढ़े और अपने मित्रो के साथ शेयर जरूर करें।

हनुमान चालीसा **गलत छपा** [चार अशुद्धियां] के अधिक जानकारी के लिए आप **यहा क्लिक करे**।

...... ॥ जय श्री राम ॥ ....

Hanuman Chalisa Correction Pdf

🙏गोस्वामी तुलसीदास हनुमान चालीसा श्लोक🙏

अतुलित बलधामं हेम शैलाभदेहं,
दनुज-वन कृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम् |
सकल गुणनिधानं वानराणामधीशं,
रघुपति प्रियभक्तं वातजातं नमामि ||

🙏गोस्वामी तुलसीदास हनुमान चालीसा दोहा🙏

श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि |
बरनउँ रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि ||
बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन कुमार |
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार ||

🙏गोस्वामी तुलसीदास हनुमान चालीसा चौपाई के साथ🙏

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर |
जय कपीस तिहुं लोक उजागर ||
रामदूत अतुलित बल धामा |
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ||

महावीर विक्रम बजरंगी |
कुमति निवार सुमति के संगी ||
कंचन बरन विराज सुवेसा |
कानन कुण्डल कुंचित केसा ||

हाथ बज्र और ध्वजा बिराजे |
काँधे मूँज जनेऊ साजै ||
‘शंकर स्वयं केसरी नंदन’|
तेज प्रताप महा जगबन्दन ||

विद्यावान गुनी अति चातुर |
राम काज करिबे को आतुर ||
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया |
राम लखन सीता मन बसिया ||

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा |
विकट रूप धरि लंक जरावा ||
भीम रूप धरि असुर संहारे |
रामचंद्र जी के काज संवारे ||

लाय संजीवन लखन जियाये |
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ||
रघुपति कीन्हीं बहुत बड़ाई |
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ||

सहस बदन तुम्हरो यश गावैं |
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ||
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा |
नारद सारद सहित अहीसा ||

जम कुबेर दिक्पाल जहां ते |
कवि कोविद कहि सके कहां ते ||
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा |
राम मिलाय राजपद दीन्हा ||

तुम्हरो मंत्र विभीषन माना |
लंकेश्वर भये सब जग जाना ||
जुग सहस्र योजन पर भानू |
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ||

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं |
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं ||
दुर्गम काज जगत के जेते |
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ||

राम दुआरे तुम रखवारे |
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ||
सब सुख लहै तुम्हारी सरना |
तुम रक्षक काहू को डरना ||

आपन तेज सम्हारो आपै |
तीनों लोक हांक तें कांपै ||
भूत-पिशाच निकट नहिं आवै |
महावीर जब नाम सुनावै ||

नासै रोग हरै सब पीरा |
जपत निरंतर हनुमत बीरा ||
संकट तें हनुमान छुड़ावै |
मन-क्रम-वचन ध्यान जो लावै ||

‘ सब पर राम राज सिर ताजा ‘|
तिनके काज सकल तुम साजा ||
और मनोरथ जो कोई लावै |
सोई अमित जीवन फल पावै ||

चारों जुग परताप तुम्हारा |
है परसिद्ध जगत उजियारा ||
साधु सन्त के तुम रखवारे |
असुर निकंदन राम दुलारे ||

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता |
अस वर दीन जानकी माता ||
राम रसायन तुम्हरे पासा |
‘ सादर हो रघुपति के दासा ‘||

तुम्हरे भजन राम को पावै |
जनम-जनम के दुख ‘बिसरावै ||
अन्तकाल रघुबरपुर जाई |
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ||

और देवता चित्त न धरई |
हनुमत सेई सर्व सुख करई ||
संकट कटै मिटै सब पीरा |
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ||

जय जय जय हनुमान गोसाईं |
कृपा करहु गुरुदेव की नाईं ||
'यह सत बार पाठ कर जोई' |
छूटहि बंदि महासुख होई ||

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा |
होय सिद्धि साखी गौरीसा ||
तुलसीदास सदा हरि चेरा |
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ||

|| दोहा ||

पवन तनय संकट हरन,
मंगल मूरति रूप |
राम लखन सीता सहित,
हृदय बसहु सुर भूप ||

|| जय-घोष ||

बोलो सियावर रामचंद्र की जय

बोलो पवनसुत हनुमान की जय

बोलो बजरंगबली की जय।

पवनपुत्र हनुमान की जय॥

|| जय श्री राम ||

❥ हनुमान जी के भक्ति के	सभी पाठ सूचि ★
۞ हनुमान बजरंग बाण	۞ हनुमान चालीसा दोहा
۞ बागेश्वर धाम हनुमान चालीसा	۞ श्री हनुमान जी की आरती
۞ संकट मोचन हनुमानाष्टक	۞ श्री हनुमान स्तुति
۞ श्री बालाजी की आरती	۞ हनुमान चालीसा अनिरुद्धाचार्य जी
۞ असली हनुमान चालीसा	۞ शुद्ध गोस्वामी तुलसीदास हनुमान चालीसा
۞ श्री हनुमान मंगलवार व्रत कथा	۞ Hanuman Chalisa Benefits
۞ हनुमान जी के सिंदूर के टोटके	۞ श्री हनुमान चालीसा मराठी
۞ श्री सालासर बालाजी की आरती	۞ Hanuman Chalisa in English
۞ सालासर बालाजी का चालीसा	۞ Hanuman Chalisa Kannada Pdf
۞ हनुमान चालीसा अर्थ सहित	۞ Hanuman Chalisa in Malayalam

यह भी पढ़ें: 1. Hanuman Chalisa for Exam Fear: परीक्षा के डर को दूर करने वाली 3 चौपाइयां

2. Hanuman Chalisa for Students: पढ़ाई का तनाव और नकारात्मक विचारों को दूर करने का अचूक उपाय

3. Memory Power और Concentration बढ़ाना चाहते हैं? जानें छात्रों के लिए हनुमान चालीसा का महत्व

4. Hanuman Chalisa for mental strength : पढ़ाई में नकारात्मक विचारों को कैसे रोकें?